बहुत किछु भ जाइत अछि बिहारक नाम पर

मैथिली में पहिल इ-पेपर

'गुंडा राज' बदली देलक बिहार मे राजनीति चेहरा

- पटना, 29 अक्टूबर,2008
- साप्ताहिक
- अंक- 13
- साल-1
- इनटरनेट संस्करण

समाद

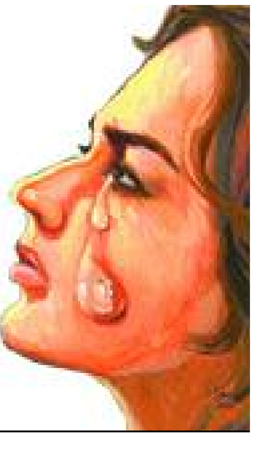

राहुलक हत्या केलक मुंबई पुलिस

पीएम मंगलथि विलासराव स रिपोर्ट महाराष्ट्र सरकार कराउत मामलाक जांच

मुंबई मे कथित रूप स बस अगवा करबाक आरोपति बिहारी क युवक कए पुलिस मारि खसौलक। मारल गेल 23 वर्षीय युवक क पहचान पटना निवासी 23 वर्षीय राहुल राज क रूप मे भेल। राहुलक परिजन सहित पूरा बिहार जतय एकरा गलत करार द रहल अछि आ एकर जांचक मांग करि रहल अछि, ओहि ठाम महाराष्ट्र क गृह राज्य मंत्री आरआर पाटिल एहि मुठभेड़ कए सही बता रहल छलाह। हुनक कहब छल जे मुंबई पुलिस गोली क जबाब गोली स देलक, जे एकदम सही कार्रवाई अछि, लेकिन सांझा तक हुनका अपन विचार बदलय पड़ल आ मामलाक जांच के बाक घोषणा केलथि। मामलक गंभीरता कए देखैत केंद्र सरकार सेहो महाराष्ट्र सरकार स एहि कथित एनकाउंटर पर तुरंत रिपोर्ट देबा लेल दबाव बनेलक। केन्द्र सरकार क सूत्र कहैत छथि जे जाहि तरहे महाराष्ट्र पुलिस राहुल पर फायरिंग केलक, ओहि स लगैत अछि जे मामले मे साजिश सेहो भ सकैत अछि। ओनो बिहार क मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मामला क पुख्ता जानकारी लेबा लेल बिहार सीआईडी क आईजी राजीव रंजन कए मुंबई जेबा लेल कहलथि अछि। एहि बीच, राहुल राज क इनकाउंटर क बाद मुंबई पुलिस राज ठाकरे क सुरक्षा बढ़ा देलक अछि। राज कए एक बेर फेर स जेड कैटेगरी क सुरक्षा दे गेल अछि।

नेता देखउलथि उद्भुत एकता

पहिल बेर एक मंच पर जमा भेलथि बिहारक तीनू दिग्गज, लालू, नीतीश आ पासवान

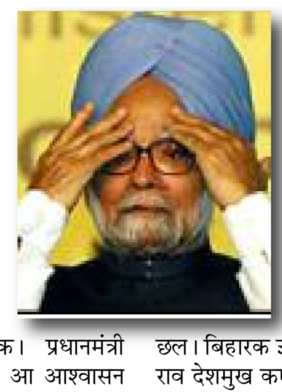

नई दिल्ली। महाराष्ट्र मे उत्तर भारतीय क खिलाफ मनसे आ शिवसेना कार्यकर्ता दिस स भ रहल हमलक मुद्दा पर सोम दिन बिहार क लगभग सबटा प्रमुख नेता चौंका देलथि। हुनक एकजुटता बिहार लेल कोनो सपना स कम नहि छल। राजनीतिक मंच स एक-दोसर कए कोसबाक बदला मे सब गोटे मुख्यमंत्री नीतीश कुमारक नेतृत्व मे प्रधानमंत्रीक सामने आवाज बुलंद केलाह। रेलमंत्री लालू प्रसाद और इस्पात मंत्री रामविलास पासवान नीतीशक संग प्रधानमंत्री स बिहारक लोक लेल सुरक्षाक गुहार लगौलथि। प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह स महाराष्ट्र मे बिहारी पर भ रहल हमल कए मामला मे हस्तक्षेप करबा लेल, इस तरह क घटना पर कारगर ढंग स अंकुश लेगेबा लेल आ दोषी सबहक खिलाफ राष्ट्रद्रोह क मुकदमा चलेबाक लेल गुहार केलक। प्रधानमंत्री बिहार क नेताक एकजुटता देखि मामलाक गंभीरता भांपी गेलाह आ आश्वासन देलथि जे ओ कोनो हाल मे एहि प्रकारक घटना कए बर्दाश्त नहि कराह। प्रधानमंत्री स भेंट केलाक बाद एक संग प्रेस कान्फ्रेंस मे तीनू नेता कहलथि जे ओ उत्तर भारतीयक उत्पीड़नक मसला पर एक छथि। तीनू कहब छल जे देश कोनो पार्टी स पैघ होइत अछि। एहि शिष्टमंडल मे उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी, रेल मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल क प्रमुख लालू प्रसाद, लोक जनशक्ति पार्टी क प्रमुख एवं केंद्रीय इस्पात मंत्री रामविलास पासवान, कांग्रेस प्रवक्ता एवं केंद्रीय गृह राज्यमंत्री शकील अहमद, केंद्रीय समाज कल्याण मंत्री मीरा कुमार, केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी, केंद्रीय जल संसाधन मंत्री जयप्रकाश यादव समेत लगभग सबटा सांसद आ पार्टी क राज्य अध्यक्ष सहित प्रमुख नेता शामिल छलाह। प्रधानमंत्री स करीब एक घंटाक गपक बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहलथि जे प्रधानमंत्री हमर सबहक चिंता मे अपनी चिंता जाहिर केलथि। प्रधानमंत्री कए देल गेल ज्ञापन मे भाजपा क नंद किशोर यादव, राधामोहन सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा, राष्ट्रीय जनता दल क शकील अहमद खान, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी क उपेंद्र कुशवाहा, जनता दल (यू) क विजेंद्र यादव, माकपा क सर्वोदय शर्मा, लोक जनशक्ति पार्टी क महेश्वर सिंह, सपा क अशोक सिंह और भाकपा क यूएन मिश्रा क हस्ताक्षर शामिल छल। बिहारक ज्ञापन भेटलाक तत्काल बाद प्रधानमंत्री महाराष्ट्र क मुख्यमंत्री विलास राव देशमुख कए निर्देश देलथि जे मुंबई सहित राज्य क बाकी हिस्सा मे सब वर्गक लोकक सुरक्षा सुनिश्चित कैल जाए। प्रधानमंत्री देशमुख स राज्य क हालात पर गप केलथि। जानकारी क मुताबिक मनमोहन सिंह आइ भेल पुलिस एनकाउंटर क दौरान मारल गेल राहुल राज क मौत क सिलसिला मे सेहो राव स जानकारी लेलथि। प्रधानमंत्री क फटकारक बाद दबाव मे आइल महाराष्ट्र सरकार आनन-फानन मे राहुल राज मामलाक जांच के बाक घोषणा केलक। पुलिस क पीठ थपथपा देशद्रोहीक वाहवाही लुटबाक प्रयास केनिहार महाराष्ट्र क गृहमंत्री आरआर पाटिल कहलथि जे एहि मामला क जांच राज्य क मुख्य सचिव कराह।

मांग रहल छल मोबाइल भेटल गोली : चश्मदीद

मुंबई। पुलिस क गोली स मारल गेल हथियारबंद शख्स राहुल मुंबई क साकीनाका स बस मे बैसल। प्रत्यक्षदर्शी बतेलक जे राहुल यात्री कए पिस्तौल देखा कए बस स नीचा उतारि देलक। ओ यात्री स मोबाइल मंगैत छल आ कहैत छल जे ओ पुलिस कमिश्नर स गप करय चाहैत अछि। बस में मौजूद यात्री कहलक जे राहुल डबल डेकर बस क ऊपरी मंजिल पर छल। यात्री क आवज सुनि कए बस कंडक्टर जखन ऊपर पहुंचत त राहुल हवाई फायरिंग केलक। हालांकि, ड्राइवर चालाकी देखलक आ बस कए पुलिस चौकी क सामने लगा देलक। गोली क आवाज सुनकए पुलिस दल बस कए घेर लेलक। चश्मदीद क अनुसार एकर बाद राहुल चीख-चीखकर कए लोक स मोबाइल मंगैत रहल, मुदा ओकरा मोबाईल नहि भेटल ओ दस टकाक नोट पर अपन इच्छा लिखी कए फेंकलक मुदा कियो ओ परची रूपी नोट पढ़बाक प्रयास नहि केलक। ओ राज ठाकरे कए मौके पर बजेबाक मांग करैत छल। ओ शहर क पुलिस आयुक्त स गप करबाक इच्छा रखैत छल। राहुल घबराइल छल। ओ केवल दू गोटे स गप करबाक मांग करि रहल छल। लेकिन, पुलिस जवाबी फायरिंग झोंक देलक। बताउल गेल जे राहुल कए चार टा गोली लागल छल। दू टा माथ मे आ दू टा पेट मे। एक टा यात्री सेहो घायल भेल अछि। पुलिस पहिने कहलक जे ओ राहुलक गोली स घायल भेल अछि, मुदा जखन ओकर शरीर स गोली बाहर भेल त पता चलल जे गोली पुलिसक बंदूक स छूटल छल। गंभीर रूप स घायल आहि व्यक्ति कए अस्पताल मे ईलाज चलि रहल अछि। गवाही क स्थिति मे अगर ओ पुलिसक संग नहि देलक त ओकर जान खतरा मे कहल जा रहल अछि।

एहि बीच, एकटा समाचार चैनल द्वारा प्रसारित वीडियो फुटेज मे राहुल राज कए डबल डेकर बस क ऊपरी हिस्सा मे कट्टा लेल बैसल देखाउल गेल। मारबा स पहिने ओर मुंह पर खौफ साफ देखाइत छल। ओकर हाथ कांपी रहल छल।

मुंबई पुलिस चलेलके मुर्गा पर तोप : नीतीश

मुंबई मे बिहारी छात्र राहुल राज कए मुंबई पुलिस द्वारा मारला पर गहरा दुख व्यक्त करैत बिहारक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एकरा मुर्गा पर तोप चलेनाई कहलथि। मुख्यमंत्री कहलथि जे ई घटना अत्यंत दुखद एवं विडंबनापूर्ण अछि। नीतीश कहलथि जे टीवी चैनल कए देखब स पता चलैत अछि जे पुलिस चाहिते त राहुल कए पकड़ल जा सकैत छल, मुदा पुलिस वाहवाही लूटबाक चक्कर मे राहुल क एनकाउंटर करि देलक। मुख्यमंत्री कहलाह जे राहुल राज मामलाक सीबीआई स जांच कराउल जा सकैत अछि। अगर ओ नहीं भेल त अनेक राज दफन रहि जाइत। ओ जोर द के कहलथि जे आइ महाराष्ट्र या बिहार मे ले कुछ भ रहल अछि ओ राज ठाकरे क कार्यकर्ता क हिंसक कार्रवाई क नतीजा छी। एहि अप्रिय घटना कए रोकल जा सकैत छल आ रोकबाक चाही, नहि त आग पूरा देश मे लागि जाइत।

महाराष्ट्र मे धारा 356 लागू हो : पासवान

लोक जनशक्ति पार्टी प्रमुख और इस्पात मंत्री राम विलास पासवान उत्तर भारतीय क मुद्दा पर सबस बेसी निशाना महाराष्ट्र सरकार पर साधलथि। पासवान क कहब छल जे मुंबई मे जे कुछ भ रहल अछि ओ राज्य सरकार क नाकामी छी। एहन मे राज्य मे धारा 356 लगा देबाक चाही। हुनक कहब छल जे राज ठाकरे कए हीरो बनेबाक काज भ रहल अछि।

ई साजिश लगैत अछि : लालू

रेलमंत्री लालू प्रसाद महाराष्ट्र मे उत्तर भारतीय पर भ रहल हमला कए संबंध मे राज्य सरकार कए सेहो जिम्मेदार ठहरा रहल छथि। लालू क कहब छैन जे आइ मुंबई मे भेल राहुल क एनकाउंटर मे साजिश नजरि आबि रहल अछि। लालू प्रसाद कहलथि जे हम राहुल राजक मामला क वर्तमान न्यायधीश स जांच करेबाक, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना पर प्रतिबंध लगेबाक, एहि पूरा प्रसंग पर एकटा सर्वदलीय बैठक बजैबाक आ राष्ट्रीय एकता परिषद क दोबारा बैठक बजैबाक मांग प्रधानमंत्री स केलहु अछि। हुनक कहब छल जे मनसे और शिवसेना सन पाटी पर प्रतिबंध लगबाक चाही। ओ कहलथि जे राज ठाकरे पर राजद्रोह क मुकदमा चलबाक चाही। राज कए जल्द स जल्द गिरफ्तार करबाक चाही। राजद नेता श्याम रजक सेहो राहुल की मौत पर दुख प्रकट कैलथि।

नीक लागे बा अधलाह

समृद्ध बिहार एक मात्र हल

राज ठाकरे क मुंह बंद करबा लेल करू राज्यक विकास

हमरा लोकनि कए इ मानि लेबाक चाही जे बिहार पिछड़ल अछि आ बिहार कए समृद्ध करबाक जिम्मा हमरे ऊपर अछि। हम अपना कए समृद्ध कए रहल छी, मुदा बिहार कए समृद्ध करबाक प्रयास स बेसी हम आन राज्य मे अपन स्थान सुनिश्चित करबाक प्रयास मे जुटल छी। संविधानक आधार पर हमरा लोकनि कए इ अधिकार भेटल अछि जे हम कतहु रहि कए कमा सकैत छी, मुदा एहि छूटक आधार पर हम जे काज बिहार मे करि सकैत छी, सेहो आइ दिल्ली आ मुंबई मे करय चाहैत छी। असल मे हमरा सबहक समाज मे पिछला 15-20 साल स बिहार स भागब एकटा फैशन बनि चुकल अछि। हम इ मानि चुकल छी जे बिहार मे किछु नहि भ सकैत अछि। अपराध, आधारभूत संरचनाक अभाव आ बिजली कए हम एहि तर्कक लेल आधार बनबैत छी। मुदा हम इ बिसरि जाइत छी जे महिला लेल बिहार स बेसी असुरक्षित दिल्ली अछि। एकटा थाना क्षेत्र मे लगातार दू दिन बैंक लूटक घटना स दिल्ली अपराधक मामले मे बिहार स आगू भ गेल अछि। इ अलग गप अछि जे एतबा भेलाक बावजूद मीडिया दिल्ली लेल 'जंगल राज' सन शब्दक प्रयोग नहि करि रहल अछि। मीडिया लेल 'जंगल राज' महाराष्ट्रो मे नहि अछि, जाहि ठाम अमिताभ सन लोक राज ठाकरे स माफी चाहैत अछि। सरकार चुप रहैत अछि आ राजक गुंडा पूरा महाराष्ट्र मे तांडव करैत अछि। जहां तक नेताक सवाल अछि हमर नेता कहियो क्षेत्रवाद नहि केलथि। बंगाल मे ममता आ यूपी मे माया सन नेता देखी लगैत अछि जे बिहारक नेता अग्रसोची छथि। उड़ीसा आ गुजरात क साम्प्रदायिक हालात बिहार स बतदर अछि। रंगदारीक मामला मे यूपी बिहार स बहुत आगू अछि। महाराष्ट्र मे अंडरवर्ल्ड आ तमिलनाडू श्रीलंकाक हितेषी बैसल छथि, एहन कोनो देशद्रोही काजक बिहार कहियो अड्डा नहि रहल। तखनो बिहार पाछु अछि एकर कारण मात्र एकटा अछि, बिहार स बाहर जे बिहारी जाइत अछि ओ बिहार मे निवेश करबाक बदला मे बिहार मे बाप-दादाक 'महल' बेची बाहर 'झोपड़ी' खरीद लैत अछि। आइ बिहारी लग सब किछु अछि, मुदा बिहार कंगाल अछि। एहन अंतर आन कोनो राज्य मे देखबा मे नहि भेटइत अछि। हम अपन समृद्धि कए बिहार संग नहि जोड़ि पावैत छी, जेना केरलाइ या बंगाली जोड़ि लैत अछि। देश मे मात्र बिहारी नहि आनो राज्यक लोक कमाई लेल कान ठाम जाइत अछि, मुदा ओ बिहारी जेका अपन घर बेच कए नहि चल जाइत अछि। दिल्ली मे एकटा मराठी मित्रक इशांत बानखेड़े ई कहब किछु गोटे कए अधलाह लागी सकैत अछि जे रिक्शा चलेबाक काज लेल दिल्ली एबाक कोन कारण, इ काज त बिहारो मे भ सकैत अछि। दरबानक नौकरी लेल मुंबई रहब कोन जरूरी, एहन काज त बिहारो मे भ सकैत अछि।

ईशांत एकरा आर्थिक स बेसी सामाजिक जरूरत कहैत छथि। मुदा मधुबनीक रहनिहार दिल्ली निवासी प्रशांत झा क कहब अछि जे ईशांतक ई मानवा मे कोनो हरज नहि जे बिहार स भागब एकटा फैशन बनि चुकल अछि। मुदा इ कहब जे बिहार मे अवसरक कमी नहि अछि, गलत अछि। बिहार मे बहुत कम अवसर अछि। दरअसल बिहार मे रोजगारक अवसर बढ़ेबाक जरूरत अछि आ इ काज केवल सरकार नहि करि सकैत अछि आ नहि बिहार मे रहनिहार लोक। इ काज बिहार स बाहर रहनिहारक प्रयास स भ सकैत छथि। एहन नहि जे प्रशांत हुनका स बिहार लौटबाक आग्रह करि रहल छथि, हम ओ तबकाक स बिहार मे निवेशक बाट ताकि रहल छी, जे बिहार स बाहर रोजगारक अवसर प्रदान क रहल छथि। हम मानैत छी जे बिहार मे अवसरक कमी अछि, मुदा अवसर के बनाउत। आंध्र मे विप्रो स पूर्व आइटी लेल कोनो बाजार नहि छल। मुदा कर्नाटक या महाराष्ट्र नहि जा आंध्र मे विप्रोक स्थापना कए राज्य मे आइटी हब बनाउल गेल।

बिहार मे आइ प्रदर्शन भ रहल अछि, प्रदर्शन करिनिहार छात्र बिहारक विकास नहि चाहैत छथि, ओ बिहार स भागि आन राज्य मे बसय चाहैत छथि, ओहिना जेना हुनका स पहिने कुल-खानदानक 'होनहार' संबंधिक आन ठाम जा बसला। बिहार मे इ एकटा परंपरा बनि चुकल अछि। जे बिहार मे रहि गेल ओ अधलाह अछि, नीक जेका नहि पढ़लक, जिनगी मे किछु नहि केलक। ई परंपरा खत्म हेबाक चाही, बिहार मे पैघ निवेशक कूबत आ अनुभव बिहारक उद्यमी लग नहि अछि। बिहारक समृद्धि लेल जरूरत अछि निवेश आ मजदूर, जे बिहार स बाहर अछि। जे राज ठाकरेक कोप भाजन बनि रहल अछि। राज ठाकरे संविधानक कोनो धारा स चुप नहि हेताह, राज ठाकरे धरना-प्रदर्शन स शांत नहि हेताह, राज ठाकरे बंद आ तोड़फोड़ स नहि डरताह। राज ठाकरे चुप हेताह बिहारक समृद्धि स, राज ठाकरे शांत हेताह बिहारक उन्नति स, राज ठाकरे डरेताह बिहारक नव अवतार स। पहचान नुकेला स, टोन बदलला स कोनो बिहारी मराठी नहि भ सकैत अछि, ई जुनि बिसरबाक चाही।

ई टिप्पणी राहुलक मौत स पहिने लिखल गेल अछि।

फेर पिटेलहु हम

मुंबई मे बिहारी पर हमला करैत मनसे कार्यकर्ता

समदिया

मुंबई/नई दिल्ली/ पटना/ दरभंगा : एक बेर फेर बिहारक छात्र महाराष्ट्र मे पिटा गेलाह। मनसे कार्यकर्ता रेलवेक परीक्षा लेल मुंबई पहुंचल बिहारी छात्रक समूह कए घेर एहन धुनलक जे दू दिनका बाद एकटा छात्रक मौत भ गेल। एहि धुनाई मे अनेक छात्र घायल भ बिहार लौटलाह। इ पूरा तमासा महाराष्ट्र सरकारक सामने भेल, जाहि ठाम कानून आ व्यवस्थाक स्थिति बिहार स बेहतर कहल जाइत अछि। एकर बावजूद बिहारक छात्र पिटेलाह आ बिना परीक्षा देने बिहार आबि गेलाह। दिल्ली आ पटना मे बैसल सरकार महाराष्ट्रक मुख्यमंत्री कए फोन घुमबैत रहलाह। मुदा जनता आ न्यायालय सक्रिय छल। एकटा पुरान मामला मे जमशेदपुरक कोर्ट राज ठाकरे पर वारंट जारी केलक, मुंबई मे वारंट पहुंचल त विलासराव देशमुख सरकार कांपी गेल। राज ठाकरेक धहाड़ स सुटकल देशमुख सरकार कए केंद्र स निर्देश भेटल आ राज गिरफ्तार भ गेलाह। 'गुंडा राज' खत्म करबा लेल भेल इ गिरफ्तारी स महाराष्ट्र मे असली 'जंगलराज' देखबा मे भेटल। दू दिन तक निःअपराध बिहारी कए पिटल गेल। बिहारीक दुकान क्षतिग्रस्त करि देल गेल। ऑटो आ टैक्सी फूंकी देल गेल। बिहारी युवतिक संग अभद्र व्यवहारक सूचना सेहो आइल। पुलिस देखैत रहल। मुख्यमंत्री नुकाइल रहला। केंद्र सरकारक गृहमंत्री त पहिने स अपन कपड़ा आ जूताक हिफाजत मे उलझल छथि। एहि मराठी नेता लग बिहारीक हिफाजत करबा लेल समयक अभाव छैन। आखिर कोर्ट राज कए हवालात स बाहर रखबाक आदेश द देलक। मुंबई जीतक आनंद मे डूबल आ शहर शांत भ गेल।

एतबा भेलाक बाद देश उम्मीद केलक जे बिहारी अपन भाग्य पर कनैत एकबेर फेर चुप भ जाइत आ बिहार मे जनमल आ दिल्ली-मुंबई मे रहनिहार बुद्धिजीवी अपन देस आ सरकार कए एकरा लेल जिम्मेदार कहबा लेल मीडियाक सामने ज्ञानक उलटी करताह। मुदा से नहि भ सकल। बिहार प्रतिरोध केलक, आंदोलन शुरू भेल। सरकार आंदोलन शांत करबा लेल प्रयास शुरू केलक। मुदा आंदोलन बिना कोनो नेतृत्वकर्ता स चलि रहल छल। सरकार दुविधा मे गप करू त केकरा स। एहन मे आंदोलन दिशा आ मुद्दाहीन भ गेल। छात्र स आगू ओ आबि गेल जेकरा न पढ़ाई स मतलब न बिहार स। पिछला तीन साल स बेरोजगार सन भ गेल 'लालूराज' क उपद्रवी एकाएक सक्रिय भ सड़क पर उतरि गेल। नेता के कार्यकर्ता के बुझब कठिन। सरकार परेशान, विपक्ष हैरान, कोना निकलत समाधान। मुख्यमंत्री आखिरकार सर्वदलीय बैठक बजेबाक निर्णय केलथि। बिहार आंदोलन तेज होइत गेल। कॉलेज आ विवि मे तोड़फोड़ शुरू भ गेल। ट्रेन कए निशाना बनाउल गेल। एकटा ट्रेनक दू टा डिब्बा फूंकी देल गेल। एतबा नहि दू टा छात्र त इंजन ल भागि गेलाह। इ काज संभवतः भारत मे पहिल बेर भेल जे कोनो छात्र रेल इंजन न केवल चला लेलक बल्कि ल भागल। ओना बाद मे इंजन बरामद क लेल गेल। ट्रेन पर भेल आक्रमण स परेशान रेलमंत्री लालू प्रसाद आनन-फानन मे बिहार दिस जाइवाला दू दर्जन ट्रेन कए रद्द करबाक घोषणा करि देलथि। दीपावली आ छठ लेल बिहार जेनिहार लोक टिशन पर भागैत रहल। कोनो ट्रेन नहि ओकरा अपन देस ल जेबा लेल तैयार छल। केकर दोष, केकरा सजा, ई बुझब कठिन छल। यूपीक लोक रेलमंत्री पर तमसाइल छल। दिल्ली टिशन पर हंगामक बाद किछु ट्रेन बहाल भेल।

यूपी बिहार संग विरोध करबा लेल तैयार नहि छल। झारखंडक जमशेदपुर मे मराठी लोकवेद राज ठाकरे क पुतला फूंकी आंदोलनक हिस्सा बनबाक प्रयास केलथि, मुदा मध्यप्रदेश क मराठी समाजक किछु युवा गोरखपुर स महाराष्ट्र लेल जा रहल ट्रेन मे आंदोलनक पर अपने समाजक युवती स छेड़छाड़ शुरू करि देलथि। संयोग रहल जे भेद खुली गेल आ बिहारी बिना अपराध कए बदनाम हेबा स बचि गेल।

कनि सोचू, हम केकर क्षति करि रहल छी

महाराष्ट्र मे जे किछु भ रहल अछि ओ सही नहि अछि, मुदा एकर विरोध जेना भ रहल अछि सेहो सही नहि अछि। बिहार मे धरना-प्रदर्शन कोनो नव गप नहि अछि। बिहार मे जे किछु भ रहल अछि से होइत आइल अछि, मुदा सवाल अछि जे एहने धरना-प्रदर्शनक नतीजा अछि जे बिहार आइ सब किछु रहितो गरीब आ पिछड़ल अछि। हम जतेक निर्माण करैत छी ओकर आधा एहि धरना-प्रदर्शनक दौरान ध्वस्त करि दैत छी। हम ई बिसरि जाइत छी जे हमरा लग जे 'दरभंगा हाउस' अछि से हमर छी, एहि संसाधन स हम विकसित बनब। अगर हम एहि संसाधन कए नष्ट कए देब त विकासक 'ताज' कहियो नहि बना सकब। गरीब-पिछड़ल बिहार लालू-नीतश त पैदा करत, मुदा राजक पिटाई स हमरा लोकनि कए नहि बचा सकत।

की वाकई राज कए मारबा लेल गेल छल राहुल?

प्रत्यक्षदर्शी क अनुसार राहुल ने बस कंडक्टर कए बंधक जरूर बनेलक मुदा ओ कोनो यात्री पर हमला नहि केलक। बस मे यात्री कए चढ़बा से ओ जरूर रोकलक मुदा गोली ओ ककरो नहि मारलक। एहन मे सवाल ई उठैत अछि जे पुलिस राहुल कए समर्पणक मौका किएक नहि देलक? ई सवाल सेहो अहम अछि जे अगर ओकरा राज ठाकरे क हत्या करबाक छल त दादर क शिवाजी पार्क इलाका नहि जा कए राहुल अंधेरी से कुर्ला वाला बस पर किया चढ़ल ? ओ अंधेरी से दार लेल ट्रेन पकड़ सकैत छल । फेर प्रश्न ई उठैत अछि जे राहुलक हत्या किएक भेल। पुलिस कहैत अछि जे ओ फायरिंग करैत छल, मुदा ओकर हाथ मे देसी कट्टा छल, जाहि स कतेक फायरिंग भ सकैत अछि पुलिस जनैत अछि। फर राहुत त छह राउंड फायरिंग करि चुकल छल अर्थात ओकरा लग गोली खत्म भ गेल छल। तेसर प्रश्न ई जे राहुत पहिल गोली लगलाक उपरांत गंभीर रूप स घायल भ गेल छल, ओकर बाद कोन हालात आ कोन कानूनक तहत मुंबई पुलिस ओकर माथ मे दू टा आ पेट मे एकटा गोली मारलक। किएक त पोस्टमार्टम रिपोर्ट कहैत अछि जे राहुल कए चारि टा गोली मारल गेल अछि। पूरा प्रकरण मे एकटा आओर गप अछि जे ई पूरा मामला महज बीस मिनट मे निबटा देल गेल। आखिर कोन एहन धड़फरी छल जे दाऊद क तरबा चटनिहार मुंबई पुलिस एकटा तमसाइल युवकक माथ मे दू टा गोली दागि देलक। पटना क एकटा कॉलेज मे शिक्षक के प्रसाद पुलिस क एहि बयान पर आपत्ति करैत छथि, जाहि मे कहल गेल अछि जे देसी कट्टा स राहुल ने छह राउंड फायरिंग केलक। हुनक कहब अछि जे देसी कट्टा स छह रांउड फायरिंग नामुमकिन अछि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सेहो पूरा प्रकरण कए संदिग्ध मानैत छथि। ताहि लेल ओ कहलथि जे राहुल क मौत केहन परिस्थिति मे भेल एहि पूरा मामला क बारे मे विस्तृत जानकारी प्राप्त करबा लेल पुलिस महानिदेशक (अपराध अनुसंधान विभाग) राजीव रजंन कए मुंबई पठा रहल छी। एहि बीच राहुल क मन: स्थिति कए बुझबाक कोनो प्रयास नहि कैल गेल। राहुल क दोस्त क अनुसार असल में राहुल राज क पारिवारिक स्थिति नीक नहि छल। तंगहाली क हालत मे जीबा लेल मजबूर राहुल एक्सरे टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा केने छल। ओकर दोस्त क कहब अछि जे ओ संकोची स्वभाव क छल आ राजनीतिक मुद्दा पर अक्सर चुप रहैत छल। एकर अलावा अपन माई कए मौतक बाद ओ असगर भ गेल छल। ओकर बाप दोसर विवाह कए लेने छथि आ राहुल कए बाप स कम मतलब छल। राहुलक पैघ भाई इंजीनियर छथि, जखन कि आकर बहिन बैंक मे पीओ छथि। राहुल बेरोजगार छलाह आओर नौकरी क तलाश मे मुंबई गेल छलाह। एहि बीच मुंबई मे उत्तर भारतीय क खिलाफ मनसे क उपद्रव स ओ निराशाक काल कोठरी मे चल गेल छल आ ओकर भीतर तामस विस्फोटक स्थिति मे पहुंच गेल छल। तामस आ हताशा मे उठाउल गेल एहि डेग पर ककरो संदेह नहि हेबाक चाही। किएक कि राहुल अपन नादानी पहिने उजागर करि देने छल जखन ओ बस मे चढ़ल तखन बस मे बहुत यात्री छल, मुदा ओ ककरो निशाना नहि बनौलक। एकर बावजूद पुलिस राहुल कए आत्मसमर्पण करबा लेल मजबूर नहि केलक। राहुल क माथ आ पेट मे गोली मारबाक बाद पुलिस अपन बहादुरी क जे ऐलान करय, मुदा पूरा देश ई जनैत अछि जे जखन राहुल मारल गेल ताहि समय मे ओकरा लग बिना गोलीक बंदूक छल। आई जखन हमार देश मे आतंकवादी व डाकू कए मुख्यधारा मे आनबाक लेल पूरा मौका देल जाइत अछि। ओकर संग संघर्ष विराम व गपशपक कोशिश होइत अछि, एहन मे एकटा नादान छात्रक माथ मे दू टा गोली उतारबाक बाद महाराष्ट्रक ग२हमंत्री कहैत छथि जे गोलीक जबाव गोली स देल जाइत। हुनकर एहि बयान स प्रत्यएक बिहारीक मन मे एकटा सवाल उठैत अछि जे आखिर जेकरा एहि देश पर नाज छैक ओ कतय अछि? पाटिलक ज्ञान पर कखनो दया त कहखनो तामस होइत अछि। दोनू भाव एक संग दिमाग मे घर करैत अछि त मुंबई मे रहनिहार नामर्द बिहारीक बीच मे राहुल क शहादत कए नमन करि लैत छी।

बहुत किछु भ जाइत अछि बिहारक नाम पर

बिहारीक नाम पर बहुत किछु भ जाइत अछि। बिहार पर आरोप लागब नव गप नहि अछि। कहल जाइत अछि जे सबल पर आरोप लगैत अछि, निर्बल पर आरोप नहि लगैत अछि। बिहारी हर मामले मे सबल होइत अछि। ओकरा ज्ञान आ व्यवहार स हरायब कठिन अछि, ताहि लेल ओकरा एहन आरोप मे फंसा देल जाइत रहल अछि, जे अपराध ओ नहि करैत अछि। केंद्रीयमंत्री रामविलास पासवानक इ कहब एकदम सही अछि जे बिहारी गरीब जरूर अछि, मुदा अभद्र नहि। वैश्विक मंदीक एहि दौर मे रोजगार सबस पैघ मुद्दा अछि। अमेरिका स महाराष्ट्र तक एहि लेल राजनीति भ रहल अछि। एहन मे रोजगार केवल क्षमतावान लेल उपलब्ध भ सकत। ताहि लेल रेलमंत्री मराठी युवा कए ललकारि रहल छथि, जे बिहारी कए लड़ि कए नहि पढ़ि कए हराउ।

बिहारीक प्रति मनसे जे बिचार रखैत अछि, एहन नहि जे महाराष्ट्र कए दोसर दल ओकर खंडन करैत अछि। कांग्रेस आ राकांपा तक दबल मुंह स राजक भाषा बजबा स नहि बचैत अछि। शिवसेनाक चर्चा एहि लेल नहि करब किएक त ओ एहि कथाक जन्मदाता थीक।

दरअसल लालूराजक दौरान बिहार मे पलायन मजबूरी बनल। ओ 1990क काल छल। पिछला 10-15 साल मे बिहारी मुंबई आ दिल्ली मे अपन स्थाई निवासक संग-संग एतेक समृद्ध भ गेलथि जे जाहि प्रतिष्ठान मे काज करैत छलाह ओकर आइ शेयरधारक भ गेला। राज ठाकरे सन मराठी कए बिहारी नौकर त नीक लगैत अछि, मुदा ओ कोनो बिहारी कए अपन साझीदार नहि देख सकैत छथि। बिहारी कखनो राजनीतिक इच्छाशक्तिक प्रदर्शन नहि केलक, किएक त ओ एकरा लेल पलायन नहि केलक। बिहारी अपराध स दूर रहलश किएक त अपराधक कारण ओ अपन राज्य छोड़बा लेल मजबूर भेल। बावजूद एकर बिहारी पर आरोप लगैत रहल। 2005 में मंबई में उत्तर भारतीय आ मराठी छात्रक बीच लड़ाई भेल छल। ओहि समय भाजपा नेता प्रमोद महाजन बिहारी छात्र कए संयम स रहबाक सलाह देने रहथि। जेकरा लेल ओ बाद मे सफाई सेहो देलथि, मुदा मामलाक छानबीन मे पता चलल जे पूरा प्रकरण मे एकोटा बिहारी छात्र शामिल नहि छल। झगड़ा त आन राज्यक लड़का स भेल छल। एहिना मुंबई मे एकटा विदेश महिला स छेड़खानी मामले मे जोड़शोर स बिहारीक नाम उठाउल गेल, मुदा पुलिस जांच मे पता चलल जे ओहि मे एकोटा बिहारी नहि छल, बल्कि पांच टा आरोपित मे स तीन टा मराठी छल।

'गुंडा राज' बदली देलक बिहार मे राजनीति चेहरा

बिहार राजनीतिक रूप स समृद्ध अछि। बिहार कए राजनीतिक प्रयोगशाला सहो कहल जाइत अछि। कोनो मुद्दा एहि ठाम आसानी स राजनीतिक मुद्दा बनि जाइत अछि। पिछला हफ्ता जखन राज ठाकरेक गुंडा मुंबई मे बिहारी छात्रक पिटाई केलक त बिहार मे आगि लागि गेल। लोकक तामस स्वभाविक छल। एक देश मे दू रंग व्यवहार केना चलत। ताहि पर जखन मामला रेल विभाग स जुड़ल हुए। बिहारक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहिने कहि चुकल छथि जे बिहारी अपन क्षमता आ योग्यता स आगू बढ़ी रहल अछि। एहि बेर फेर को तमसेलाह, महाराष्ट्रक मुख्यमंत्री स गप केलाह। बिहारक अधिकारी कए महाराष्ट्र स संपर्क साधवा लेल कहला। सर्वदलीय बैठक करबाक घोषणा केलथि। एहि बीच तमसाइल छात्र सड़क आ पटरी पर उतरि गेल। किछु उपद्रवी ट्रेन मे आगि लगा देलक। ओना कोनो यात्री कए कष्ट नहि पहुंचाइल गेल, मुदा रेल मंत्रालय कए इ क्षति एतिहासिक लागल आ ओ आनन-फानन मे बिहार जाइवाला दर्जन भरि ट्रेन कए रद्द करबाक घोषणा करि देलक। रेल विभागक एहि घोषणा स केवल बिहार नहि बल्कि पूरा देश चकित भ गेल। आखिर बिहार मे एहन कोन परिस्थिति पैदा भ गेल जे एतेक रास ट्रेन कए रद्द करि देल गेल। बिहारक प्रदर्शन आ रेल मंत्रालयक निर्देश बहसक मुद्दा बनि गेल। महाराष्ट्र जे चाहैत छल से भ गेल। मीडिया राज मामला स अपन ध्यान हटा बिहार मे प्रदर्शन औचित्य आ ट्रेन रद्द करबाक कारण पर मंथन करय लागल। बिहारक दुर्भाग्य एक बेर फेर ओहि ठामक राजनीतिक चेतना बनि गेल।

लालू, नीतीश आ पासवान राज ठाकरे स लड़बाक स्थान पर अपने मे उलझी गेलाह। लालू पिछला दू-तीन साल स राज ठाकरेक निशाना बनि रहल छथि, हुनका लेल राज्य स्तर पर नीतीश एकटा चुनौती बनि चुकल छथि। ओ एहि मुद्दा कए दूनू नेताक विरोध मे हथियार बनेबाक प्रयास मे लागि गेलाह। महाराष्ट्र मुद्दा पर ओ राज ठाकरेक ऊपर राजद्रोहक मुकदमा चाहैत छथि आ बिहार में कानून-व्यवस्थाक स्थितिक खराब हेबाक कारण स ट्रेन रद्द करबाक अपन मजबूरी सेहो प्रकट करैत छथि। नीतीश सरकारक दौरान आगजनी आ उपद्रव बंद भ गेल छल। उपद्रवी बेरोजगार भ गेल छलाह। बाढ़ एलाक बावजूद एहन कोनो आंदोलनक जमीन तैयार नहि भ सकल। बाढ़क कारण नीतीश सरकारक लोकप्रियता कम भ रहल छल। नीतीश बाढ़ स जनताक ध्यान हटेबा लेल राज ठाकरे प्रकरण कए हथियार बनेबा लेल तत्परता देखेबाक प्रयास केलथि आ उपद्रवी कए किछु हद तक छूट त देलथि। एकर प्रभाव देखल गेल आ लालू चट द कानून-व्यवस्थाक नाम पर ट्रेन रद्द क देलथि। नीतीश राजनीतिक खेल मे लालू स पाछु चल गेला, मुदा बिहार मे राजनीतिक तेसर ध्रुव आ रेल मंत्रालय नहि भेटला स आइ धरि लालू स डाह करिनिहार रामविलास पासवान लालू प्रसाद पर निशाना साधबा स नहि चुकला। पूर्व रेलमंत्री लालूक एहि फरमान पर आश्चर्य व्यक्त करैत कहला जे ट्रेन रद्द करबाक प्रयोजन बुझबा मे नहि अबैत अछि। बिहार मे भेल हिंसा पिछला किछु साल मे भेल हिंसा स काफी छोट छल आ एहि बेरक हिंसा मे ककरो हताहत हेबाक सेहो सूचना नहि अछि, एहन मे ट्रेन कए र्‌द करबाक निर्णय राजनीति स प्रेरित बुझाइत अछि। जदयूक प्रदेश अध्यक्ष ललन सिंहक कहब छल जे लालू राज ठाकरेक मदद करि रहल छथि। ट्रेन रद्द करि ओकरा हिरो बना रहल छथि। कुल मिला कए राजनेताक एहि बयानबाजी स असली मुद्दा नुका रहल आ एक बेर फेर इ बहस शुरू भ गेल जे बिहारी जे करि रहल अछि ओ कि सही अछि। दिल्ली आ मुंबई मे बैसल बुद्धिजीवी लालू, नीतीश आ पासवान क राजनीति पर जेना बहस करबा लेल बैसलाह कि इ तीनू एक मंच पर आबि हुनका लेल एकटा एहन उदाहरण प्रस्तुत केलथि जे सब अपन घर मे दुबकि गेलथि।

राज्य मे प्रदर्शन हिंसक भ रहल छल। ट्रेन कए खास तौर पर निशाना बनाउल जा रहल छल। राज्य प्रशासन व्यवस्था ठीक करबा लेल समय मांगी रहल छल, एहन मे ट्रेन रद्द करब मजबूरी भ गेल छल।

लालू प्रसाद

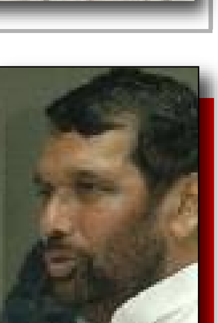

बिहार मे एहन कोनो परिस्थिति नहि बनल छल जे ट्रेन रद्द भ जाए

रामविलास पासवान

जनता एहि समस्याक हल चाहैत अछि। एकरा लेल सबहक सहयोग जरूरी

नीतीश कुमार

अंक-13, साल-1, रजिस्ट्रेशन- आवेदित, स्नेह-छवि मिथिला स्कूल ऑफ आर्ट क लेल संपादक डाट वर्डप्रेस डाट काम स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित. प्रधान समदिया : छवि झा, प्रबंध समदिया : सुषमा समदिया : कुमुद सिंह*, समाचार समदिया : प्रीतिलता मल्लिक, समदिया(दिल्ली) : गिन्नी सिंह ठाकुर, समदिया(नेपाल): ममता शंकर e_mail: esamaad@gmail.com (*खबरक चयनक लेल जिम्मेदार)